पुलिस ने मुठभेड़ में इनामी बदमाश जाहिद को गोली मारकर किया गिरफ्तार

डीएसटी और खोह थाना पुलिस ने एक कट्टा और 10 जिंदा कारतूस भी जब्त किये

डीग/भरतपुर, (निसं)। डीग जिले के खोह थाना क्षेत्र में शुक्रवार की तड़के 4 बजे जटेरी और हयातपुर के डीएसटी टीम और खोह थाना पुलिस के साथ मुठभेड़ में 10 हजार का इनामी बदमाश जाहिद उर्फ़ बुलटी पुत्र नसरू मेव निवासी गढ़ी मेवात थाना खोह जिला डीग जवाबी कार्रवाई में दोनों पैरों में पुलिस ने गोली मार कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे डीग के जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद इलाज के लिए आरबीएम जिला हॉस्पिटल भरतपुर रैफर कर दिया। पुलिस ने उसके पास से एक कट्टा 315 बोर एवं 10 जिंदा कारतूस 315 बोर के और एक अपाचे मोटरसाइकिल विना नंबरी जब्त की है।

- डीएसटी टीम और खोह थाना पुलिस की टीम को देख शातिर बदमाश जाहिद भागने लगा और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी
- पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों पैरों में घुटनों के नीचे गोलियां लगने बदमाश जाहिद घायल हो गया

खोह थाना प्रभारी महेंद्र शर्मा ने बताया है कि शुक्रवार की तड़के करीब चार बजे बदमाशों की तलाश में एस आई वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में डी एस टी टीम और सी आई महेंद्र शर्मा के नेतृत्व में खोह थाना पुलिस की टीम गांव जटेरी और हयातपुर के बीच मोनी बाबा के आश्रम के पास पहुंची तो उन्हें वहां अपाची बाइक पर गढ़ी मेव निवासी शातिर बदमाश जाहिद उर्फ बुल्टी मेव दिखाई दिया जो पुलिस को देख भागने लगा और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जिस पर पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों पैरों में घुटनों के नीचे पुलिस की गोलियां लगने बदमाश जाहिद घायल हो गया।

थाना प्रभारी शर्मा के अनुसार जाहिद ने पुलिस पर अपने पास मौजूद अवैध 315 बोर कट्टे से 20 राउंड फायर किए। पुलिस की जवाबी कार्यवाही में डीएसटी टीम और पुलिस ने 8 राउंड फायरिंग की जिसमें 2 गोलियां जाहिद के दोनों घुटनों के नीचे पैरों में लगी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस को मुठभेड़ के स्थान से गोलियों के पांच खाली खोखे मिले हैं। फिलहाल घायल आरोपी जाहिद इलाज के लिए आरबीएम जिला हॉस्पिटल भरतपुर में भर्ती है। पुलिस की अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर यूपी पुलिस की तरह राजस्थान में भी किए गए आपरेशन लंगड़ा को लेकर भय भय व्याप्त हो गया है।

नाबालिग को बेचने का मामला दर्ज : पीड़ित ने अपने जमाई के खिलाफ पुत्री को गुजरात में बेचने की आशंका के चलते उदयपुर के कोटडा पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित पुना पुत्र मकना पारगी निवासी बोरदीकला कोटडा ने अपने जमाई दीना पुत्र रायसा खोखरिया निवासी बोर्डी कला के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि आरोपी गुजरात में मजदूरी एवं अन्य काम करता हैं। 13 जून को आरोपी मेरी नाबालिग पुत्री को अपने साथ ले गया जो वापस नहीं आई।

घायल बदमाश जाहिद को अस्पताल में भर्ती करवाया।

डूंगरगढ़ में नकली सरस घी बिक्री का पर्दाफाश

- बीकानेर की उरमूल डेयरा को सूचना मिली कि डूंगरगढ़ में डेयरी दर से काफी कम दाम पर सरस घी की बिक्री हो रही है
- संदेह होने पर डेयरी प्रशासन ने एक बोगस ग्राहक भेजकर स्थिति की जांच की, जिसमें घी की असलियत पर संदेह की पुष्टि हुई
- उरमूल डेयरी और सीएमएचओ की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए संदिग्ध घी के 15 किलो और एक-एक किलो पैकिंग वाले सैंपल लिए

बीकानेर, (निसं)। उरमूल डेयरी की सजगता और प्रशासनिक तत्परता ने डूंगरगढ़ में नकली सरस घी के बड़े जाल को उजागर कर दिया। बीकानेर की उरमूल डेयरी, जो राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन जयपुर से संबद्ध है, को सूचना मिली कि डूंगरगढ़ में डेयरी दर से काफी कम दाम पर सरस घी की बिक्री हो रही है। संदेह होने पर डेयरी प्रशासन ने एक बोगस ग्राहक भेजकर स्थिति की जांच की, जिसमें घी की असलियत पर संदेह की पुष्टि हुई।

इसके बाद उरमूल डेयरी और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग (सीएमएचओ) की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए संदिग्ध घी के 15 किलो और एक-एक किलो पैकिंग वाले सैंपल लिए। जांच के दौरान सामने आया कि घी के टिन पर लिखे बैच नंबर, निर्माण तिथि और अंतिम उपयोग तिथि पैकिंग के गत्ते से मेल नहीं खा रहे थे। इतना ही नहीं, टिनों पर अलग-अलग जिलों की सरस डेयरी की मार्किंग पाई गई, जिससे मिलावट का संदेह और गहरा गया। मामले में फर्म मालिक के जवाब भी भ्रामक मिले। फिलहाल सैंपल लैब जांच के लिए भेजे गए हैं। सामान्य तौर पर डेयरी उत्पादों के निर्धारित दामों में इतनी गिरावट असंभव लगने पर डेयरी प्रशासन ने तत्काल जांच का निर्णय लिया।

उरमूल डेयरी के प्रबंध संचालक बाबूलाल बिश्नोई ने बताया कि इस सूचना के बाद एक विशेष टीम गठित की गई, जिसमें प्लांट मैनेजर ओमप्रकाश भांभू, प्रभारी क्वालिटी कंट्रोल आरएस सैंगर, प्रभारी मार्केटिंग मोहन सिंह चौधरी तथा सीएमएचओ टीम से भानूप्रकाश, सुरेंद्र और राकेश गोदारा शामिल थे। टीम ने सबसे पहले एक बोगस ग्राहक को संदिग्ध दुकान पर भेजा। ग्राहक ने 15 किलो घी का टिन मांगा और उसके पैसे ऑनलाइन भुगतान कर दिए। लेनदेन पूरा होते ही उरमूल डेयरी और सीएमएचओ की टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान टीम को पता चला कि टिन पर छपी निर्माण तिथि और बैच नंबर, पैकिंग गत्ते पर लिखे विवरण से मेल नहीं खा रहे थे। कुछ टिनों पर अलग-अलग जिलों की सरस डेयरियों की मार्किंग भी थी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि पैकिंग और ब्रांडिंग में छेड़छाड़ की गई है। जब टीम ने दुकान मालिक से पूछताछ की तो उसने गोदाम का सही पता बताने में टालमटोल शुरू कर दी। इतना ही नहीं, वह टीम को गलत चाबियां और दूसरे गोदामों के पते देकर भटकाता रहा। दुकान का नाम बद्रीलाल श्याम सुंदर राठी बताया गया है, जो डूंगरगढ़ की अमर पट्टी में स्थित है। मामले की गंभीरता देखते हुए टीम डूंगरगढ़ पुलिस थाने पहुंची, लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया।

थाना अधिकारियों ने कहा कि ऐसे मामलों की रिपोर्ट जयपुर स्तर पर दर्ज की जाती है। फिलहाल सीएमएचओ की टीम ने घी के सैंपल जब्त कर जांच के लिए लैब भेज दिए हैं।

पुष्कर मेले में राजस्थान महिला कल्याण मंडल को प्रथम पुरस्कार मिला

पुष्कर, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले में आयोजित विकास प्रदर्शनी के अंतर्गत जन-जागरूकता कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए राजस्थान महिला कल्याण मंडल को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मेले के समापन समारोह के दौरान जिला कलेक्टर लोकबंधु द्वारा प्रदान किया गया।

- विकास प्रदर्शनी के अंतर्गत जन-जागरूकता कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया

संस्था की सचिव एवं कार्यकारी क्षमा आर. कौशिक ने बताया कि विकास प्रदर्शनी में संस्था द्वारा जन-जागरूकता प्रदर्शनी लगाई गई थी, जिसे मेले प्रबंधन द्वारा प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया। इस प्रदर्शनी के माध्यम से मेले में आए आगंतुकों को दिव्यांगजन के अधिकारों, पुनर्वास, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई। संस्था द्वारा चैलेंजिंग चलेंजे गतिविधि के माध्यम से लोगों को दिव्यांगजन द्वारा झेली जाने वाली चुनौतियों का अनुभव कराया गया, जिससे समाज में संवेदनशीलता और जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया। कौशिक ने इस उपलब्धि के लिए संस्था के सभी कार्यकर्ताओं और सहयोगियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान समाज सेवा के क्षेत्र में कार्यरत सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत सहित कई गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान महिला कल्याण मंडल को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया।

मूर्तिपूजा पर टिप्पणी करने वाला पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। डबोक थाना क्षेत्र में रात के समय मूर्ति पूजा पर विवादित टिप्पणी के पर्चे फैंकने वाले को पश्चिम बंगाल से पुलिस ने गिरफ्तार किया। 24 सितंबर को शांतिलाल पुत्र तेजपाल निवासी डबोक चौराहा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मेरी विनायक ज्वैलर्स नाम से डबोक चौराहा पर दुकान है। एक दिन पूर्व सवेरे दुकान खोली तो शटर के नीचे एक ईसाई धर्म के मंतव्य का पर्चा मिला। जिस पर मूर्ति पूजा पर विवादित टिप्पणी लिखी थी। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर गठित दल ने डबोक थाना उप निरीक्षक बाबूलाल ने पश्चिम बंगाल जलपाई गुड्डी से डेनियल ओल्टीनों पुत्र अ.ए. ओल्टीनो अलीकष सांदरू निवासी रायकत पारा थाना कोतवाली जलपाईगुडी पश्चिम बंगाल को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने ईसाई धर्म का धर्मगुरू होकर धर्म का प्रचार करना एवं स्कूल के बच्चों को ईसाई धर्म के ज्ञान करा ईसाई प्रार्थना करवाना बताया।

वासुदेव देवनानी की पत्नी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे जनप्रतिनिधि और अधिकारी

अजमेर, (निसं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पत्नी स्व. इंदिरा देवनानी को शुक्रवार को उनके निवास पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और शहरवासी उपस्थित रहे। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय इंदिरा देवनानी के सरल, स्नेहिल और सेवा भाव से परिपूर्ण व्यक्तित्व को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभी ने वासुदेव देवनानी एवं परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

श्रद्धांजलि सभा में सभी ने कहा कि स्व. इंदिरा देवनानी का जीवन सादगी, समर्पण और सेवा की मिसाल रहा है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को अंतिम नमन किया। पूरे वातावरण में श्रद्धा और भावनाओं का आलोक छा गया। इस अवसर पर राजस्थान कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, मंत्री जवाहर सिंह बेढम, सांसद भजन लाल जाटव, विधायक शमाराम गरासिया, रेवंतराम डांगा, घनश्याम मेहर एवं हमीर सिंह भायल, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, प्रदेश महासचिव भाजपा मुकेश दाधीच, पूर्व विधायक राकेश पारीक, नसीम अख्तर, गोपाल बाहेती, वीरेंद्र प्रताप सिंह गुड़ा, भाजपा प्रदेश पदाधिकारी सोमकांत शर्मा, महेश शर्मा, विक्रांत खंडेलवाल, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल ने श्रद्धांजलि दी। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने फोन पर सांत्वना दी।

काना पहाड़ में खनन का विवाद एनजीटी तक पहुंचा

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के बीच में स्थित काना पहाड़ में खनन का विवाद अब एनजीटी तक पहुंच गया है। क्षेत्र के प्रभावित लोगों ने आपस में ही चंदा इकट्ठा कर एनजीटी भोपाल में अपनी याचिका लगाई, जिसका असर देखने को मिला है। याचिका में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए सेंट्रल पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड भोपाल के अतिरिक्त निदेशक सुनिल मीणा की अगुवाई में एक जांच टीम झुंझुनूं पहुंची। स्टेट पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के सुधीर यादव, जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम कौशल्या विश्नोई, तहसीलदार महेंद्र मूंड, खनन अभियंता रामलाल सिंह के साथ करीब दो घंटे तक काना पहाड़ की धरातली हकीकत और क्षेत्र के लोगों से बातचीत करने के बाद टीम वापिस लौट गई।

- सेंट्रल पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड भोपाल के अधिकारी काना पहाड़ का जायजा लेने पहुंचे
- करीब दो घंटे तक काना पहाड़ की धरातली हकीकत और क्षेत्र के लोगों से बातचीत करने के बाद टीम वापिस लौट गई टीम

कृषि विभाग के रिटायर्ड उप निदेशक और क्षेत्रवासरी अकरम अली ने बताया कि काना पहाड़ में खनन बंद करने को लेकर लंबे समय से मांग की जा रही है। 2007 में तत्कालीन एसडीएम और कलेक्टर ने काना पहाड़ में खनन बंद करने की सिफारिश भी कर दी थी, लेकिन खान विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने मिलीभगत कर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को दरकिनार कर खनन की परमिशन दे दी। जिसके खिलाफ अब क्षेत्र के लोगों ने ही आपस में चंदा इकट्ठा कर एनजीटी में गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि यहां पर 50-60 घर तो खनन से पूरी तरह और 100 से ज्यादा घर आंशिक रूप से प्रभावित है। यह क्षेत्र मास्टर प्लान में भी पर्यावरण प्रगति के लिए आरक्षित है। सभी बातों को दरकिनार करके खनिज विभाग और पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इस क्षेत्र में खनन शुरू करवाने पर आमादा है।

जानकारी के अनुसार शहर के समस तालाब के नजदीक काना पहाड़ क्षेत्र में टीम ने काना पहाड़ी में खनन से हुई खदान, तालाब, कबूतर खाना, काना पहाड़, समस तालाब, पशु उप चिकित्सा केंद्र, मंदिर, दरगाह समेत खनन क्षेत्र से सटे परिया का बारीकी से जायजा लिया। इस टीम ने स्थानीय लोगों के साथ ही खनन धारकों से भी बातचीत कर उनका पक्ष जाना। एनजीटी के निर्देश पर आई टीम को 17 नवंबर से पहले रिपोर्ट एनजीटी को प्रस्तुत करनी है, क्योंकि इस मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को है।

शहर की आबादी से सटे काना पहाड़ में लंबे समय से खनन कार्य बंद था। 2022 में यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में स्टेट लेवल एनवायरमेंट एसेसमेंट अथॉरिटी को इस मामले में सुनवाई करने को कहा।

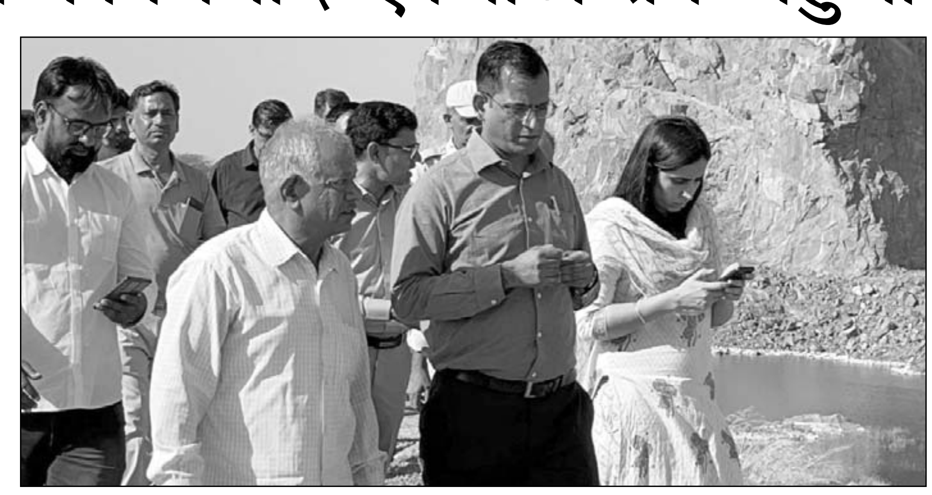

सेंट्रल पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड भोपाल की टीम काना पहाड़ का जायजा लेने पहुंची।

टूटी सड़क से उड़ती धूल और मिट्टी से आमजन परेशान

भीलवाड़ा, (निसं)। गुलाबपुरा नगर पालिका क्षेत्र में अंडरब्रिज से धूनी मार्ग तक टूटी सड़क से उड़ती धूल-मिट्टी ने स्थानीय निवासियों का जीना मुश्किल कर दिया है। शुक्रवार को वार्ड संख्या पांच गणेश कॉलोनी की महिलाओं ने सड़क जाम कर नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। महिलाओं का कहना है कि पिछले दो माह पूर्व इस सड़क का निर्माण कराया गया था, लेकिन बारिश के बाद सड़क पूरी तरह से गड्ढों और मिट्टी में बदल गई है। नगर पालिका प्रतिदिन टैंकरों से पानी डालकर धूल को दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन यह व्यवस्था नाकाफी साबित हो रही है। महिलाओं ने बताया कि घरों में धूल-मिट्टी भर जाने से खाना बनाना, बच्चों को संभालना तक मुश्किल हो गया है। बर्तनों और रसोई में हर जगह मिट्टी जम जाती है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही वंदना सोनी ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की और नई सड़क का निर्माण शुरू नहीं कराया तो आंदोलन और उग्र होगा। महिलाओं ने प्रशासन से तत्काल समाधान की मांग की है ताकि स्थानीय लोगों को राहत मिल सके।

कस्टोडियन भूमि के बहुचर्चित मामले में 19 गांवों के किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे

कस्टोडियन भूमि नियमन आवंटन किसान संघर्ष समिति ने जिला कलेक्टर से किसानों को जमीन का आवंटन करने की मांग रखी

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना में कस्टोडियन जमीनों को सरकारी घोषित करने के बहुचर्चित मामले को लेकर जहां 10 नवम्बर को जिला कलेक्ट्रेट के सामने महापड़ाव का ऐलान किया गया है। वहीं दूसरी ओर शुक्रवार को क्षेत्र के 19 गांवों के सैकड़ों पीड़ित किसान जिला कलेक्टर डॉ. महेन्द्र खड़गावत से मिले और राजस्व मंत्री के निर्देशानुसार पीड़ित किसानों को पुन: उनकी जमीनें सुपुर्द करने की मांग की।

इस मौके पर किसानों ने जिला कलेक्टर को बताया कि डीडवाना विधायक यूनुस खान ने राजस्व मंत्री हेमंत मीणा से मुलाकात कर डीडवाना में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित कस्टोडियन जमीनों को वास्तविक कब्जाधारी किसानों को कानूनन नियमन व आवंटन करने की मांग की थी। यूनुस खान ने राजस्व मंत्री को बताया कि राजस्थान के 10 जिलों के 8695 कब्जाधारी किसानों को कस्टोडियन जमीनों का आवंटन किया जा चुका है, लेकिन डीडवाना जिले में आज तक इन जमीनों का किसानों को आवंटन नहीं किया गया। जिस पर राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर को इस मामले की तथ्यात्मक व सकारात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

किसानों ने बताया कि भारत विभाजन के दौरान 1947 में बड़ी संख्या में मुस्लिम परिवार पाकिस्तान चले गए थे। उनके पलायन के बाद डीडवाना के लगभग 19 गांवों में उनकी ज़मीनों को कस्टोडियन भूमि के रूप में दर्ज किया गया था। इन जमीनों को कुछ माह पहले जिला प्रशासन ने अपने संरक्षण में लेना शुरू किया था, जिसे लेकर काफी विरोध हुआ था। अब इस जमीनों को सरकारी कार्यालयों के लिए आवंटित करने का भी विरोध किया जा रहा है। इन जमीनों पर काबिज किसानों का कहना है कि इन जमीनों पर आजादी से पूर्व और आजादी के बाद से सभी वर्गों के किसान खेती करते आ रहे हैं। यह जमीनें उनकी पुश्तैनी जमीन है, जिन पर वह 78 वर्षों से खेती कर रहे हैं। कई जमीनों पर भवन बन चुके हैं और घनी आबादी बस चुकी है। अब इन जमीनों को गलत तरीके से सरकारी घोषित करना किसानों के हितों पर कुठाराघात है। ऐसे में राजस्व मंत्री के निर्देशानुसार इस मामले की सकारात्मक रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकि किसानों को न्याय मिल सके।

- राजस्व मंत्री ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर को इस मामले की तथ्यात्मक व सकारात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं

19 गांवों के सैकड़ों पीड़ित किसान जिला कलेक्टर डॉ. महेन्द्र खड़गावत से मिलने पहुंचे।

मांडल थाने से जेसीबी चोरी मामले पांच आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई जेसीबी, वारदात में प्रयुक्त कार और बाइक जब्त

भीलवाड़ा, (निसं)। बजरी माफिया और पुलिसकर्मियों की कथित मिलीभगत से मांडल थाने में जब्त की गई जेसीबी को अदला-बदली कर चोरी करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई जेसीबी को बरामद कर लिया गया, साथ ही वारदात में प्रयुक्त एक कार और बाइक भी जब्त की गई है।

- पुलिस अब जेसीबी चोरी की साजिश में शामिल निलंबित पुलिसकर्मियों सहित अन्य बजरी माफियाओं की तलाश कर रही है

इस पूरे मामले में मांडल थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी विक्रम सेवावत, एएसआई नंदलाल गुर्जर और दीवान राजेंद्र सिंह को जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव पहले ही निलंबित कर चुके हैं। निलंबन के बाद से तीनों पुलिसकर्मी भूमिगत हैं, जिससे पुलिस विभाग में गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं और उच्चाधिकारियों की सख्ती के बावजूद गिरफ्तारी नहीं होना चर्चा का विषय बना हुआ है।

सीसीटीवी फुटेज में पुलिसकर्मी की मौजूदगी :- मामले में जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज सामने आए, जिसमें थाने में एएसआई नंदलाल गुर्जर की मौजूदगी में जेसीबी की अदला-बदली होती दिखी। बजरी में जब्त नई जेसीबी को बाहर निकालकर उसकी जगह पुरानी व खराब मशीन रखी गई थी, ताकि बजरी माफिया को फायदा पहुंचाया जा सके।

जांच और गिरफ्तारियां :- जिला पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक (सदर) प्रशिक्षु आईपीएस माधव उपाध्याय को सौंपी थी। गहन पड़ताल के बाद पुलिस ने पालड़ी निवासी ओमप्रकाश पुत्र छोगा भील, रणिकपुरा निवासी पूरण माली पुत्र नगजीराम, गोविंदपुरा निवासी सांवरा कीर पुत्र रतन कीर, जाटों का खेड़ा आरजिया निवासी पंकज जाट पुत्र सत्यनारायण जाट और इन्द्रपुरा (पालड़ी) निवासी सुनील पुत्र सम्पत गुर्जर को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई जेसीबी बरामद कर ली गई। वहीं एक कार व एक बाइक को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

धोखाधड़ी का मामला भी जुड़ा :- पुलिस जांच में सामने आया कि यह जेसीबी पूर्व में बिजौलियां थाने क्षेत्र में धोखाधड़ी के एक मामले में चिन्हित हैं। यह मशीन मुकेश गुर्जर के पास थी। अब यह जेसीबी उसके पास कैसे पहुंची, इसको लेकर पुलिस आगे की पूछताछ कर रही है।

अभी इनकी तलाश जारी :- पुलिस अब जेसीबी चोरी की इस साजिश में शामिल निलंबित पुलिसकर्मियों सहित अन्य बजरी माफियाओं की तलाश कर रही है। वहीं थाने से जब्तशुदा वाहन कैसे बिना उच्च स्तरीय जानकारी के बदले गए, इस पर भी पुलिसिया सिस्टम की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने कहा कि शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं और मामले में आगे विस्तार से पूछताछ की जाएगी।